[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5335 **L**

Unique Paper Code : 2274000015

Name of the Paper : Sectoral Issues in Indian Economy

Name of the Course : **Common Pool GE Economics**

Semester : IV/VI/VIII

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. The question paper consists of **eight** questions. Answer any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks, **18** marks each.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र **आठ** प्रश्न दिए गए हैं। किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं, प्रत्येक 18 अंक।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Analyse the relationship between changes in the agricultural labour force and the share of wages in agricultural output between 1983–84 and 2011–12, and discuss its implications for farm income and rural labour markets. (18)

P.T.O.

2. "India's agricultural policy has been successful in ensuring food security but not nutrition security." Discuss this statement in the context of dietary diversity, nutrition-sensitive agriculture, and food safety. (18)

3. Does the NFSA (2013) represent a significant departure from traditional food policy, or is it a continuation of the "calorie-centric" paradigm? Assess the Act's potential and limitations in addressing the challenge of "hidden hunger" in India. (18)

4. While the share of agriculture in India's GDP has declined significantly to nearly one-seventh, its share in employment remains disproportionately high. Critically analyse this lag in structural transformation. (18)

5. The 2024 National Policy Framework on Agricultural Marketing envisions a shift from traditional regulated wholesale markets (APMCs) toward a 'vibrant, competitive, and transparent' multi-channel marketing ecosystem. Critically examine the strategic interventions proposed in the policy draft to achieve this. (18)

6. Evaluate the impact of the 'Make in India' initiative (2014–2024) using FDI trends and 'Ease of Doing Business' rankings as key performance indicators. (18)

7. "The stagnation of India's public sector is not a result of inherent economic inefficiency, but rather a consequence of 'fiscal orthodoxy' and 'competitive politics'." Critically examine this statement in the context of India's post-1991 economic landscape. (18)

8. Write comprehensive notes on **any two** of the following : (2×9=18)

(a) Pre- and early green revolution period

(b) PM GatiShakti National Master Plan

(c) Life cycle approach to nutrition

1. 1983-84 और 2011-12 के बीच कृषि श्रम बल में परिवर्तन और कृषि उत्पादन में मजदूरी के हिस्से के बीच संबंध का विश्लेषण कीजिए और कृषि आय और ग्रामीण श्रम बाजारों पर इसके प्रभावों पर चर्चा कीजिए। (18)

2. "भारत की कृषि नीति खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में तो सफल रही है, लेकिन पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में नहीं।" आहार विविधता, पोषण-संवेदनशील कृषि और खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में इस कथन की चर्चा कीजिए। (18)

3. क्या एनएफएस (2013) पारंपरिक खाद्य नीति से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, या यह "कैलोरी-केंद्रित" प्रतिमान की निरंतरता है? भारत में "छिपी हुई भूख" की चुनौती से निपटने में अधिनियम की क्षमता और सीमाओं का आकलन कीजिए। (18)

4. यद्यपि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का हिस्सा घटकर लगभग एक-सातवां रह गया है, फिर भी रोजगार में इसका हिस्सा अनुपातहीन रूप से अधिक बना हुआ है। संरचनात्मक परिवर्तन में इस अंतराल का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। (18)

5. कृषि विपणन पर 2024 के राष्ट्रीय नीति ढांचे में पारंपरिक विनियमित थोक बाजारों (एपीएमसी) से एक 'जीवंत, प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी' बहु-चौनल विपणन पारिस्थितिकी तंत्र की ओर बदलाव की परिकल्पना की गई है। इसे प्राप्त करने के लिए नीति मसौदे में प्रस्तावित रणनीतिक हस्तक्षेपों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (18)

P.T.O.

6. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) रुझानों और 'व्यापार करने में सुगमता' रैंकिंग को प्रमुख प्रदर्शन संकेतक मानते हुए 'मेक इन इंडिया' पहल (2014 – 2024) के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए। (18)

7. "भारत के सार्वजनिक क्षेत्र की स्थिरता अंतर्निहित आर्थिक अक्षमता का परिणाम नहीं है, बल्कि 'राजकोषीय रूढ़िवादिता' और 'प्रतिस्पर्धी राजनीति' का परिणाम है।" भारत के 1991 के बाद के आर्थिक परिदृश्य के संदर्भ में इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (18)

8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर विस्तृत टिप्पणी लिखें : (2×9=18)

(क) पूर्व- और प्रारंभिक हरित क्रांति काल

(ख) प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान

(ग) पोषण के लिए जीवन चक्र दृष्टिकोण